हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, शुक्रवार, 25 जुलाई 2025

11 बारिश से सड़कें जलमग्न, दिनभर...

12 डीपीएस में जागरूकता सत्र का आयोजन

सरकार की घोषणा के 9 साल बाद भी ट्रांसपोर्ट नगर के लिए जमीन तक नहीं मिली

रवींद्र राठी ⏭ बहादुरगढ़

प्रदेश की डबल इंजन सरकार बीते 9 सालों के दौरान बहादुरगढ़ में ट्रांसपोर्ट नगर के लिए जमीन चिह्नित करने में नाकाम रही हे। बहादुरगढ़ में करीब 4 दशक से ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना के प्रयास सिरे नहीं चढ़ पाए हैं। ऐसे में स्थानाभाव में सड़कों के दोनों ओर ट्रक-ट्रॉले खड़े हो जाते हैं।

लोडिंग एवं अनलोडिंग का काम भी सड़क किनारे ही होता है। जिसके चलते एक तरफ जाम के हालात बन जाते हैं, तो दूसरी तरफ हादसे की आशंका बनी रहती है। बता दें कि तत्कालीन सीएम मनोहर लाल ने 24 जुलाई 2016 को तत्कालीन विधायक नरेश कौशिक की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में 93 करोड़ की विकास योजनाएं बहादुरगढ़ की जनता को समर्पित की थी। इस दौरान उन्होंने सेक्टर 17ए व 32 में ट्रांसपोर्ट नगर बनाने की भी घोषणा की थी। लेकिन बीते 9 सालों में डबल इंजन सरकार बहादुरगढ़ में ट्रांसपोर्ट नगर की जगह तक चिह्नित नहीं कर पाई है।

कई दशकों से ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना के लिए गुहार लगा रहे बहादुरगढ़ के हजारों ट्रांसपोर्टर

बहादुरगढ़। परनाला रोड पर स्थित यूनियन में खड़े ट्रक।

हाइवे किनारे या रोड पर वाहनों के लोडिंग एवं अनलोडिंग में परेशानी

दरअसल, बहादुरगढ़ में एक दर्जन से अधिक ट्रांसपोर्ट यूनियनें कार्यरत हैं, जिनसे 20 हजार से अधिक वाहन जुड़े हैं। जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए भी शहर के बाहर ट्रांसपोर्ट नगर बसाने की कवायद पिछले करीब 4 दशक से चल रही है। लेकिन इनेलो व कांग्रेस की भांति भाजपा सरकार भी ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना करने में नाकाम रही है। औद्योगिक नगरी होने के कारण बहादुरगढ़ से तैयार सामान देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा जाता है। यहां पारले के बिस्कुट, सूर्या रोशनी के पाइप, एचएनजी की कांच की बोतलें और एचएसआई में बने हिंदवेयर के उत्पाद देशभर में बिकते हैं। सोमानी की टाइल्स, रिलेक्सो-एक्शन के जूते, योकोहामा के टायर समेत अन्य प्रसिद्ध उत्पाद यहां से देशभर में भेजे जाते हैं। देश का सबसे बड़ा नॉन लेदर फुटवियर पार्क भी यहां स्थित है। देश के अनेक राज्यों से तमाम उत्पाद को तैयार करने वाले कच्चे माल की आवक भी रहती है। हाइवे किनारे अथवा रोड पर वाहनों के लोडिंग एवं अनलोडिंग किए जाने के कारण अनेक बार परेशानी बढ़ जाती है। सड़क किनारे वाहनों के खड़े होने के कारण हादसा होने की आशंका भी रहती है। इनेलो शासन में तत्कालीन सीएम ओमप्रकाश चौटाला ने सांखोल के निकट ट्रांसपोर्ट नगर बसाने की घोषणा की थी, लेकिन यह घोषणा हकीकत नहीं बन पाई। कांग्रेस राज में भी तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने अनेक बार ट्रांसपोर्ट नगर बसाने की उम्मीद जगाई, लेकिन यह उम्मीद भी अधूरी रह गई। भाजपा की सरकार बनने के बाद तत्कालीन सीएम मनोहर लाल 24 जुलाई 2016 को बहादुरगढ़ आए तो सेक्टर-17 ए तथा सेक्टर-32 में ट्रांसपोर्ट नगर बनाने का ऐलान किया था। हालांकि करीब 3 दशक बाद सेक्टर-12 में ऑटो मार्केट आबाद होने से कुछ राहत जरूरी मिली है। लेकिन ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना के नाम पर सिर्फ घोषणाएं हुई हैं। हकीकत में काम करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया।

प्रोजेक्ट केवल कागजी घोषणा बना: ट्रांसपोर्टर

शहर के बाइपास पर हाइवे से लेकर विभिन्न सेक्टरों की सड़कों तथा सर्विस रोड पर ट्रक खड़े दिखाई देते हैं। रात के समय ये वाहन कई बार हादसे का कारण भी बनते हैं। ट्रांसपोर्टर समुंद्र सहवाग के अनुसार उन्हें मजबूरन वाहनों की लोडिंग एवं अनलोडिंग का काम सड़क किनारे करवाना पड़ता है। ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना करने में शासन-प्रशासन नाकाम रहा है। यह जरूरी प्रोजेक्ट केवल कागजी घोषणा बनकर रह गया है। जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

उचित जमीन की तलाश की जा रही

मास्टर प्लान के अनुसार सेक्टर-17 ए तथा सेक्टर-32 में ट्रांसपोर्ट नगर प्रस्तावित है। सरकार के निर्देश अनुसार ट्रांसपोर्ट नगर के लिए उचित जमीन की तलाश की जा रही है। इसके लिए एचएसआईआईडीसी की खाली जमीन के साथ ही निकटवर्ती गांवों की पंचायती व सरकारी जमीन की जानकारी जुटाई जा रही है। जमीन चिह्नित कर मुख्यालय को सूचित किया जाएगा।

- रोहित देशवाल, एजीएम, एचएसआईआईडीसी

खबर संक्षेप

बास्केटबॉल टीम का ट्रायल 27 को होगा

बहादुरगढ़। स्टेट लेवल स्पर्धा के लिए झज्जर की बास्केटबॉल (लड़के और लड़कियां) टीम का चयन ट्रायल 27 को खातीवास स्थित संस्कारम पब्लिक स्कूल में होगा। जिला बास्केटबॉल एसो उपाध्यक्ष गौरव सांगवान के अनुसार एक जनवरी 2007 या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी पात्र होंगे। इच्छुक आधार, जन्म प्रमाण पत्र व 3 पासपोर्ट फोटो लेकर आएं। चयनित पानीपत में 8 से 10 अगस्त तक होने वाली 57वीं हरियाणा जूनियर स्टेट बास्केटबॉल चैंपियनशिप में भाग लेंगे।

बीसीसीआई में आज फायर सेफ्टी की बैठक

बहादुरगढ़। शुक्रवार 25 जुलाई को फायर एवं सेफ्टी विभाग के अधिकारी एमआईई में स्थित बीसीसीआई भवन में उद्यमियों के साथ संवाद करेंगे। विभाग के संयुक्त निदेशक गुलशन कुमार, सहायक मण्डलीय अग्निशमन अधिकारी सज्जन कुमार, फायर स्टेशन अधिकारी रमेश व दीपांशु मेहलावत उद्योगपतियों से रूबरू होंगे। बैठक में फायर एवं सेफ्टी से संबंधित मुद्दों पर चर्चा होगी।

फैक्ट्री में मृत अवस्था में मिला श्रमिक

बहादुरगढ़। मूल रूप से यूपी के इटावा का रहने वाला करीब 28 वर्षीय सुधीर वीरवार को एमआईई के पार्ट बी में फैक्ट्री में मृत मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पता चला कि सुधीर रात में भोजन उपरांत फैक्ट्री में सोया था। आशंका जताई जा रही है कि हृदयगति रुकने से उसकी मौत हुई है।

युवती के शव का करवाया पोस्टमार्टम

बहादुरगढ़। झज्जर-बहादुरगढ़ सड़क की खस्ता हालत के कारण असमय काल का ग्रास बनी युवती के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। विदित है कि गांव डाबोदा खुर्द में बुधवार की शाम को गड्ढों के कारण बाइक अनियंत्रित होने से साधुराम और उसकी पुत्री दिव्या हाइवा की चपेट में आ गए थे। दिव्या की मौके पर ही मौत हो गई थी। वह अपने पिता के साथ एमए की परीक्षा देने के लिए आई थी।

अभ्यर्थियों का परीक्षा केंद्र तक आवागमन सुगम बनाने की पूरी व्यवस्था

सीईटी परीक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट, दो डीसीपी सात एसीपी, सात सौ पुलिस जवान रहेंगे तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

सीईटी परीक्षा को लेकर जिला पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने बताया कि सीईटी परीक्षा को लेकर जिले में 14 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। दो डीसीपी, सात एसीपी सहित करीब सात सौ पुलिस कर्मचारियों को तैनात किया गया है। वहीं परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 163 लगाई गई है। जिसकी पालन सख्ती से करवाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास नाकेबंदी भी की गई है, जहां तैनात पुलिस कर्मियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों के अंदर केवल ड्यूटी पर तैनात स्टॉफ कर्मियों और परीक्षार्थियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। किसी भी अन्य व्यक्ति को केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों की गहन तलाशी ली जाएगी, जिसके लिए एचएचएमडी और फ्रिस्किंग टीम को तैनात किया गया है। पुलिस कर्मियों को वाकी-टाकी से लैस किया गया है ताकि किसी भी प्रकार की सूचना को तुरंत अधिकारियों तक पहुंचाया जा सके। इसके अलावा मुख्य चौराहों पर ट्रैफिक जवानों की तैनाती भी की गई है। उन्होंने कहा कि सभी थाना प्रभारी को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्थित परीक्षा केंद्रों पर लगातार गश्त करते रहेंगे और पीसीआर व राइडर टीमों को भी परीक्षा केंद्रों के आसपास निरंतर गश्त करने के लिए कहा गया है।

परीक्षा केंद्रों के आसपास नाकेबंदी भी की गई है, जहां तैनात पुलिस कर्मियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए

डॉक्टर राजश्री सिंह, पुलिस आयुक्त।

हिदायतों का पालन करें सीईटी परीक्षार्थी

बहादुरगढ़। एसडीएम नसीब कुमार ने कहा कि सीईटी की परीक्षा में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थी परीक्षा के चलते आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करें, ताकि परीक्षा के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा ना हो पाए। एसडीएम ने बताया कि शनिवार 26 जुलाई और रविवार 27 जुलाई को झज्जर सहित प्रदेश में आयोजित होने वाली सीईटी की परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा विशेष हिदायत जारी की गई हैं। इन नियमों का पालन करने से दोनों दिन परीक्षार्थियों को सुविधा रहेगी।

फरीदाबाद के पांच पिकअप प्वाइंट से 163 केंद्रों के लिए चलेंगी बसें

डीसी पाटिल ने बताया कि जिला प्रशासन फरीदाबाद द्वारा 26 और 27 जुलाई को होने वाली सीईटी परीक्षा के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। परीक्षार्थियों की सुविधा को देखते हुए शहर के प्रमुख स्थानों से शटल बस सेवा चलाई जाएगी। प्रशासन ने पांच अलग-अलग क्षेत्रों के पिकअप प्वॉइंट भी तय कर दिए हैं। इन पांच पिकअप पॉइंट से झज्जर जिला से पहुंचने वाले परीक्षार्थियों के लिए 470 शटल बस लगायी गई है। झज्जर के ज्यादातर परीक्षार्थियों के परीक्षा केंद्र फरीदाबाद में हैं। सरकार द्वारा अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र तक सुगम आवागमन के लिए सभी संभव व्यवस्था की जा रही है।

बस स्टैंड से पांच रूटों पर केंद्रों के लिए चलेगी शटल सर्विस

झज्जर। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 व 27 जुलाई को आयोजित की जाने वाली सीईटी परीक्षा के लिए झज्जर जिले में आने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने विशेष शटल सेवा की व्यवस्था की है। यह सेवा झज्जर बस स्टैंड से सभी परीक्षा केंद्रों तक परीक्षार्थियों को पहुंचाने के लिए चलाई जाएगी। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि चारों शिफ्टों में कुल 14,776 परीक्षार्थी जिले में परीक्षा देने पहुंचेंगे, जिनके लिए शटल सेवा का संचालन सुनिश्चित किया गया है। शटल सेवा बस स्टैंड झज्जर से सभी परीक्षा केंद्रों के लिए यह सेवा परीक्षा के निर्धारित समय से पूर्व और पश्चात दोनों समय चलाई जाएगी। साथ ही, महिला अभ्यर्थियों के साथ एक परिजन को भी निशुल्क यात्रा की अनुमति होगी।

शटल सेवा पांच रूटों पर चलेंगी जहां 14 परीक्षा केंद्र स्थापित हैं

रूट नंबर एक: इंडो अमेरिकन स्कूल, जयहिंद कॉलोनी, अग्रसेन कॉलेज, एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल।

***रूट नंबर दो:** :शहीद रमेश कुमार राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (ब्लॉक-ए), कुलदीप सिंह मैमोरियल पब्लिक स्कूल, एचआर ग्रीनफील्ड वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय।*

रूट नंबर तीन: पीजी नेहरू कॉलेज (ब्लॉक-ए) बहुतकनीकी संस्थान, गंगा इंटरनेशनल स्कूल कबलाना

***रूट नंबर चार:** न्यूटन हाई स्कूल छुछकवास, आरइडी स्कूल ओल्ड तलाव रोड झज्जर ब्लॉक-एक, आरइडी ओल्ड तलाव रोड (ब्लॉक-बी)*

रूट नंबर पांच: दीप चंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुढ़ा (झज्जर ब्लॉक-एक)

रोडवेज बसों का टाइम टेबल

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 व 27 जुलाई को आयोजित होने वाली सीईटी परीक्षा के सुचारू संचालन और परीक्षार्थियों के सुगम आवागमन के लिए हरियाणा रोडवेज द्वारा विशेष बस सेवाओं की व्यवस्था की गई है। इन बसों का संचालन निर्धारित रूटों और समय के अनुसार किया जाएगा।

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि हर रूट के लिए बसों का संचालन तय समय के अनुसार किया जाएगा और परीक्षार्थियों को समय से पहले बस अड्डे पर पहुंचने की सलाह दी गई है। उन्होंने परीक्षार्थियों से आग्रह किया कि वे समय पर बस अड्डे पर पहुंचें और अपने प्रवेश पत्र एवं पहचान पत्र साथ लेकर चलें, ताकि उन्हें परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचने में कोई कठिनाई न हो।

फरीदाबाद के परीक्षा केंद्र के यहां से चलेंगीं बसें

झज्जर - न्यू बस स्टैंड झज्जर, बहादुरगढ़- न्यू बस स्टैंड बहादुरगढ़, बेरी - बस स्टैंड बेरी, साल्हावास ब्लॉक से – एचडी स्कूल साल्हावास, मातनहेल ब्लॉक से - अनाज मंडी मातनहेल, बादली- बीडीपीओ ऑफिस बादली, ब्लॉक माछरौली से- राजकीय माध्यमिक विद्यालय माछरौली परीक्षार्थियों के लिए पिक-अप प्वाइंट रहेगा। यहां से बसें रवाना होगी।

पहली शिफ्ट की परीक्षा के लिए बसें निर्धारित स्थानों से सुबह तीन बजे से चलेंगी व आखिरी बस सुबह 4.45 बजे रवाना होगी। जबकि दूसरी शिफ्ट की परीक्षा के परीक्षार्थियों के लिए रोडवेज बसें सुबह साढ़े सात बजे से सुबह नौ बजे तक चलेंगी।

फरीदाबाद व रोहतक परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए निर्धारित रूटों पर चलेंगी अतिरिक्त बसें

फरीदाबाद पहुंचने पर आगे नि:शुल्क शटल सेवा की व्यवस्था की गई

रोहतक के परीक्षा केंद्र के लिए यहां से चलेंगी बसें

झज्जर– बस स्टैंड झज्जर, बहादुरगढ़ – बस स्टैंड बहादुरगढ़ से रोडवेज बसों का संचालन होगा। सुबह की शिफ्ट के लिए सात बजे से आठ बजे तक बसों का संचालन होगा। परीक्षार्थी समय पर पहुंचकर निशुल्क बस सेवा की सुविधा लें । महिला अभ्यर्थी के साथ परिवार का एक सदस्य साथ में निशुल्क यात्रा कर सकता है। फरीदाबाद पहुंचने पर आगे निःशुल्क शटल सेवा की व्यवस्था की गई है। सभी जगह पर प्रशासन द्वारा हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं।

परीक्षार्थी असुविधा होने पर हेल्प लाइन नंबरों पर करें संपर्क

हेल्प लाइन नंबर रोडवेज झज्जर 94671 54214,हेल्प लाइन नंबर रोडवेज बहादुरगढ़ 9467154209, जिला प्रशासन कंट्रोल रूम- 01251 - 253117 ,01251- 253118

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, शिनाख्त नहीं

झज्जर। वीरवार सुबह शहर के गुढ़ा फ्लाईओवर पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहगीरों की सहायता की शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया गया। जांच अधिकारी सत्यनारायण ने बताया कि वीरवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे घटना की सूचना मिली। इस बाद वे मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान नहीं हो पाई। प्रथम दृष्ट्या मृतक की उम्र करीब तीस वर्ष आंकी जा रही है। उसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। शव को शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल में बने शव गृह में 72 घंटों के लिए रखवा दिया गया है। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

परनाला में मजदूर ने लगाई फांसी

बहादुरगढ़। गांव परनाला में किराए पर रहने वाले एक प्रवासी मजदूर ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार करीब 30 वर्षीय दीपक गांव परनाला में किराए पर रहता था। उसने बीती रात अज्ञात कारणों से कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव सिविल हॉस्पिटल में रखवाकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

सीवर ओवरफ्लो से आक्रोशित देव नगर की गली नंबर-3 के निवासियों ने दी चेतावनी

जलनिकासी नहीं हुई तो दफ्तर पर जड़ेंगे ताला

बहादुरगढ़। शहर के झज्जर रोड स्थित देव नगर कॉलोनी की गली नंबर-3 में सीवर ओवरफ्लो की समस्या से स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए हैं।

वीरवार को रोष जाहिर करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सोमवार तक इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यालय पर ताला जड़कर प्रदर्शन करेंगे। पार्षद बलराम दलाल उर्फ मिंटू के साथ देव नगर निवासी देवेंद्र जांगड़ा, बलबीर, जगबीर, श्रीकिशन, सत्यनारायण, आजाद जून, शेर सिंह, रामफल, रामेश्वर अधिवक्ता, सत्ते, मोनू हुड्डा, सोनू दलाल, शील, शीनू व पवन आदि ने कहा कि लंबे समय से गली में सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है।

बहादुरगढ़। गली में भरे पानी के बीच चेतावनी देते देव नगर निवासी।

गली में जमा रहता गंदा पानी

सीवर ओवरफ्लो के कारण गली में गंदा पानी जमा भरा रहता है। लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा सीवर की सफाई के नाम केवल खानापूर्ति की जा रही है। समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। इसके चलते लोगों में रोष है। बरसात के मौसम में स्थिति बदतर हो गई है। सावित्री, कमला, विमला, सोनिया आदि ने बताया कि गली नंबर-3 में शिव मंदिर के बाहर भी सीवर का गंदा पानी जमा है। यदि समस्या का समाधान सोमवार तक नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगी। जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय का घेराव कर ताला लगा देंगी।

बहादुरगढ़ उपमंडल में करीब 3 हजार एकड़ में हो चुकी ज्वार की बुआई

ज्वार की फसल बोने के लिए अच्छा समय

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

ज्वार की खेती आमतौर पर पशुओं के चारे के लिए की जाती है। बहादुरगढ़ उपमंडल में इस बार करीब 3 हजार एकड़ में ज्वार की बुआई हो चुकी है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार इसकी खेती बालु से लेकर चिकनी, दोमट जमीनों में की जा सकती है। परंतु जलधारण क्षमता आवश्यक है। इसकी खेती खराब जल निकास की जमीनों में उपयुक्त नहीं होती है।

बीज की गहराई चार पांच सेंटीमीटर अच्छी

उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ. सुनील कौशिक ने किसानों को बताया कि ज्वार की बुआई की दूरी प्रजाति एवं क्षेत्र के अनुसार घटती-बढ़ती है। उनके अनुसार सामान्य रूप से ज्वार की लाइन से लाइन 45 सेंटीमीटर तथा पौधे-पौधे की दूरी 15-20 सेंटीमीटर होनी चाहिए। बीज की गहराई चार-पांच सेंटीमीटर तक अच्छी होती है। ज्वार की बुआई का समय जून के अंतिम सप्ताह से अगस्त के प्रथम सप्ताह तक अच्छा रहता है। इसके लिए हल्की अमीय एवं क्षारीय मृदा चाहिए, जिनका पीएच 5.5 से 8.5 के बीच हो। कृषि अधिकारी डॉ. सुनील राणा ने बताया कि पहले एक-दो जुताई मिट्टी पाटने वाले हैरो से करते हैं। फिर दो-तीन जुताई कल्टीवेटर से करना चाहिए। अंत में पाटा चलाकर खेत तैयार कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में उचित नमी आवश्यक होती है। वे बताते हैं कि ज्वार की बुआई के लिए प्रति हैक्टेयर 12-15 किलोग्राम बीज की जरूरत होती है। यह मात्रा प्रजाति, बोने की विधि एवं समय पर निर्भर करती है।

बहादुरगढ़। एक खेत में लहलहाती ज्वार की फसल का फाइल फोटो।

ना पहले जैसा पहनावा रहा और ना वैसा नाच-गाना, अब होती सिर्फ रस्म अदायगी

पहले जैसी नहीं मनाई जाती तीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

हरियाली तीज ग्रामीण क्षेत्र का सबसे लोकप्रिय पर्व माना जाता है। दो दशक पहले तीज के त्योहार को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में अलग ही रंग होता था। लेकिन टेलीविजन और इंटरनेट के दौर में पहले जैसी तीज नहीं मनाई जाती। अब किशोरियां तीज की तैयारियां नहीं करती। सिर्फ त्योहार वाले दिन रस्म निभाई जाती है। हरियाली तीज के त्योहार को लेकर दो दशक पहले आषाढ़ का महीना शुरू होने के लिए साथ ही तैयारी शुरू हो जाती थी।

तीज वाले दिन गांवों में महिलाओं के बीच लोकगीतों पर अपना ग्रामीण पहनावा घाघरा, कमीज और ओढ़ना ओढ़ कर नाच (लोकनृत्य) का मुकाबला होता था। महिला पहनावे के साथ-साथ सोने-चांदी के आभूषण भी पहनती थी। अब टीवी-इंटरनेट ने तीज के त्योहार को प्रभावित किया है।

फिल्मी धुनों पर नाचकर त्योहार की परंपरा निभा रहे

सरला मलिक छिल्लर बताती हैं कि तीज के मौके पर महिला घाघरा, कमीज और ओढ़ना ओढ़ कर नाचती थी, आज की युवती ये पहनावा नहीं पहनती। घाघरे में काफी वजन होता था। अब युवती सूट-सलवार पहनती हैं। पहले तीज के लिए अलग से लोकगीत बनाते थे और गाते थे। अब की युवती और महिलाओं द्वारा फिल्मी धुनों पर नाचकर त्योहार की परंपरा निभाई जाती है।

फिरनी पर नाचने का अभ्यास करते थे

बबिता सिंधु के अनुसार तीज का त्योहार एक अलग ही खुशी और मस्ती भरा होता है। पहले तीज की तैयारी हम आषाढ़ के महीने में ही शुरू कर देते थे। रोजाना शाम को गांव की फिरनी में नाचने का अभ्यास करते थे। तीज के त्योहार को लेकर छोरियों को ससुराल से मायके में आषाढ़ के आखिरी सप्ताह या फिर सावन की शुरुआत में ही बुला लिया जाता था, ताकि नाचने का अभ्यास किया जा सके और मुकाबला अच्छा हो।

टेलीविजन-इंटरनेट के प्रभाव से बदलाव हुआ

सरिला श्योराण ने कहा टेलीविजन और इंटरनेट के प्रभाव से तीज त्योहार में बदलाव हुआ है। त्योहारों औपचारिकता तक सिमट चुका है। पहले तीज के त्योहार पर नाचने में मुकाबला होता था। घरों में ही सुहाली समेत देशी पकवान बनते थे। झूले डाले जाते थे, पींग बढ़ाते थे। लोकगीतों के साथ मिट्टी की खूशबू महसूस होती थी।

haribhoomi.com
हरिभूमि बालभूमि
रोहतक, शुक्रवार 25 जुलाई 2025
10
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

बच्चो, आज हम तुम्हें दुनिया की कुछ ऐसी अजीबो-गरीब बिल्डिंग्स के बारे में बता रहे हैं, जिनको देखकर तुम यह सोचते रह जाओगे कि यह बिल्डिंग है या कोई जानवर है या फिर कुछ और है! इनमें से कुछ बिल्डिंग्स तो ऐसी हैं, जिन्हें देखकर तुम्हारी हंसी नहीं रुकेगी।

अजब-गजब / अनुराग मनींद्र

हैरान करती अमेजिंग बिल्डिंग्स

डांसिंग कपल जैसा फ्रेड एंड जिंजर

बच्चो, तुमने लोगों को डांस करते हुए तो खूब देखा होगा। तुम खुद भी दोस्तों के साथ डांस करते होगे। इमेजिन करो कि तुम कहीं जा रहे हो और तुम्हें कोई बिल्डिंग डांस करती हुई-सी दिखे, इस पर पहले तो तुम्हें आश्चर्य होगा कि बिल्डिंग डांस कैसे कर सकती है? लेकिन चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में एक ऐसी बिल्डिंग बनाई गई है, जिसे दूर से देखने पर ऐसा लगता है मानो, कोई कपल डांस कर रहा हो। इस अनोखी बिल्डिंग के आर्किटेक्ट फ्रैंक गेहरी ने इसे 'फ्रेड एंड जिंजर' नाम दिया। दूर-दूर से लोग प्राग की इस डांसिंग बिल्डिंग को देखने आते हैं। *

जूते के आकार का हेंस शू हाउस

जूते पैरों में पहने जाते हैं लेकिन किसी को जूतों में रहने का विचार आए तो? अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में रहने वाले जूतों के विक्रेता महलोन हेंस ने 1948 में अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए जूते के आकार का एक हाउस बनवाया। इस शू-शेप्ड हाउस के अंदर जूते के पंजे वाले स्थान पर

लिविंग रूम, एड़ी वाले स्थान पर किचेन और टखने वाले स्थान पर दो बेडरूम बने हैं। इस शू-हाउस में एक छोटी-सी आइसक्रीम की शॉप भी है। इस अनोखे डिजाइन का हाउस बनवाने वाले महलोन हेंस के नाम पर ही इसका नाम 'हेंस शू हाउस' रखा गया। हेंस खुद तो कभी अपनी फैमिली के साथ इस हाउस में नहीं रह पाए, लेकिन इस अजब-अनोखे शू-शेप्ड हाउस में पर्यटक कुछ समय के लिए रह सकते हैं। *

डॉग के शेप जैसा बीगल हाउस

डॉग या तरह-तरह के एनिमल्स शेप वाले खिलौनों से तो तुम खूब खेलते होगे। लेकिन जरा सोचो, तुम्हें अगर किसी डॉग-शेप्ड हाउस में रहने का मौका मिले तो? यकीन नहीं हो रहा न! लेकिन यह सच है। अमेरिका के इडाहो स्टेट में

कॉटनवुड नामक स्थान पर डॉग के आकार का यह अमेजिंग हाउस बनाया गया है। इस घर में गेस्ट्स के लिए फ्रिज, माइक्रोवेव, फ्री इंटरनेट और बाथ टब जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यहां लोग अपने डॉगी को लेकर भी आते हैं, डॉगी के साथ इस डॉग-शेप्ड हाउस में ठहरते हैं। *

मस्त होकर झूमता द क्रुक्ड हाउस

पोलैंड के सोपोट शहर में स्थित एक शॉपिंग सेंटर का एक हिस्सा कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसे अगर दूर से देखा जाए तो ऐसा लगता है मानो, यह बिल्डिंग मस्त होकर झूम रही है। इस बिल्डिंग का डिजाइन सोटिंस्की और जलेस्की नामक आर्किटेक्ट्स ने

तैयार किया था। बच्चो, जरा सोचो इस बिल्डिंग को डिजाइन करने वाले के मन में क्या खयाल आया होगा कि उन्होंने ऐसी झूमती हुई-सी बिल्डिंग डिजाइन की। अपने अनोखे क्रुक्ड (टेढ़ा-मेढ़ा), झूमते हुए से डिजाइन के करण यह पोलैंड के सबसे ज्यादा फोटोग्राफी किए जाने वाले स्थलों में से एक है। *

शीप एंड डॉग बिल्डिंग

डॉग शेप वाले बीगल हाउस की तरह ही न्यूजीलैंड में दो बिल्डिंग्स आस-पास बनाई गई हैं। इनमें से एक शीप (भेड़) जैसी और एक डॉग के आकार की बिल्डिंग है। न्यूजीलैंड के 'तिराऊ' समुदाय में भेड़ और कुत्ते का खास महत्व है। भेड़ और कुत्ते के शेप में बनी ये दोनों बिल्डिंग्स भी 'तिराऊ' समुदाय के लोगों के बीच खास महत्व रखती हैं। ये अनोखी बिल्डिंग्स यहां आने वाले

पर्यटकों के लिए सूचना केंद्र के रूप में काम करती हैं। दोनों बिल्डिंग के स्टाफ पर्यटकों को आस-पास के दर्शनीय स्थलों के बारे में जानकारी देते हैं। साल 1990 में पहले यहां डॉग और शीप के आकार की दो बिल्डिंग्स बनाई गई थी। इन दोनों बिल्डिंग्स की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए वर्ष 2016 में इनके पास में ही मेल शीप (नर भेड़) के आकार की एक और बिल्डिंग बनाई गई। *

फल-सब्जियों के रंगों का राज

बच्चो, क्या तुमने कभी सोचा है कि अलग-अलग फल और सब्जियां किसी विशेष रंग की ही क्यों होती हैं? आओ, आज हम तुम्हें कुछ फल-सब्जियों के रंगों की वजह बताते हैं।

एआई इमेज

जानकारी
शिवानी छाया

बच्चो, स्वाद और पौष्टिकता से भरपूर रंग-बिरंगे फल और सब्जियां अपने भीतर मौजूद कुछ रसायनों की वजह से अपना विशेष रंग पाते हैं।

कच्चे-पक्के आम का हरा-पीला रंग: सबसे पहले बात 'फलों के राजा' आम की। स्वाद और पौष्टिकता से भरपूर आम जब कच्चा होता है, तब वह हरे रंग का दिखता है। पकने के बाद आम का रंग पीला, नारंगी या लाल हो जाता है। दरअसल, कच्चे आम में क्लोरोफिल अधिक मात्रा में पाया जाता है, इसलिए इसका रंग हरा दिखाई पड़ता है। जैसे-जैसे आम पकता जाता है, उसमें मौजूद क्लोरोफिल कम होता जाता है, वहीं दूसरी तरफ इसमें कैरोटिनॉयड्स का उत्पादन बढ़ता जाता है। अलग-अलग किस्म के कैरोटिनॉयड की मात्रा बढ़ने के कारण पकने पर आम का रंग पीला, नारंगी या लाल हो जाता है।

लाल-लाल सेब: पौष्टिकता से भरपूर सेब में कई प्रकार के विटामिन, मिनरल्स और अन्य कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। सेब के लाल रंग की बात करें तो इसमें एंथोसायनिन नामक पिगमेंट पाया जाता है, जिसकी वजह से इसका रंग लाल होता है।

टमाटर क्यों होता है लाल: खाने को स्वादिष्ट बनाने वाला टमाटर हर घर के किचेन में पाया जाता है। सलाद और सूप में भी इसका खूब इस्तेमाल होता है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, फाइबर, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। कच्चे टमाटर में क्लोरोफिल नामक फाइटोकेमिकल पाया जाता है, जिसकी वजह से इसका रंग हरा दिखता है। जै से - जै से टमाटर पकने लगता है, इसमें क्लोरोफिल की मात्रा कम होने लगती है, साथ ही लाइकोपीन नामक फाइटोकेमिकल की मात्रा बढ़ने लगती है। लाइकोपीन की वजह से ही टमाटर का रंग पकने के बाद लाल हो जाता है।

अलग-अलग रंग के गाजर: गाजर, विटामिन ए और विटामिन बी6 का महत्वपूर्ण स्रोत होता है। बाजार में अधिकतर पाए जाने वाले नारंगी गाजर की बात करें तो एक खास पिगमेंट (वर्णक) बीटा कैरोटीन की उपस्थिति के कारण गाजर नारंगी रंग का दिखता है। वहीं काले गाजर की बात करें तो इसमें एंथोसायनिन नामक रसायन की उपस्थिति होती है, इस कारण इसका रंग काला दिखाई देता है। *

कविता / दिविक रमेश

बिन गियर की भैंस

एआई इमेज

गांव गया
होलू ने देखा
बैठी चिड़िया
पीठ पे जमकर
भैंस की।
चल रही थी
मजे-मजे से
उधर मजे से
भैंस भी।
देख-देख
होलू ने सोचा-
क्या समझूं
सोचूं मैं क्या।
चल रही थी
भैंस या उसको
चला रही थी
चिड़िया क्या!
हंसा सोचकर
होलू आगे-
होता अगर
चिड़िया वह तो
डाल-डाल के
गियर तब तो
वह चलाता
भैंस को।
बात कही जब
जाकर होलू ने,
तो पापा यूं
हंसकर बोले-
समझो होलू
आजकल तो
बिन गियर के
अच्छी-अच्छी
गाड़ी चलती।
मुझे तो होलू
बिन गियर की
यह भैंस भी
सच्ची लगती।

हंसगुल्ले

रिंकी : अगर हम गुलाब को चांद पर भेजेंगे तो उसे क्या बोलेंगे?
पिंकी : गुलाबजामुन।
रिंकी : कैसे?
पिंकी : 'गुलाब जा मून' ..ऐसे। -तृप्ति, रायपुर

रोहन : शानू आठ दिन नहीं सोया, फिर भी वह पूरी तरह हेल्दी है, कैसे?
सोहन : कैसे?
रोहन : क्योंकि वह रात में सोता है। -किंशुक, बिलासपुर

कहानी
आलोक कुमार दुबे

रोज-रोज नयन के लॉन में लगे फूल कोई चुपचाप तोड़कर ले जाता था। इस कारण उसकी दादी को पूजा के लिए फूल नहीं मिल पाते। परिवार के सभी लोग परेशान थे, आखिर सुबह-सुबह कौन फूल तोड़कर ले जाता है। इसे कैसे पता किया जाए? नयन ने अपनी सूझ-बूझ से ऐसी तरकीब निकाली कि बड़ी आसानी से फूल तोड़ने वाले का पता चल गया।

नयन की सूझ-बूझ

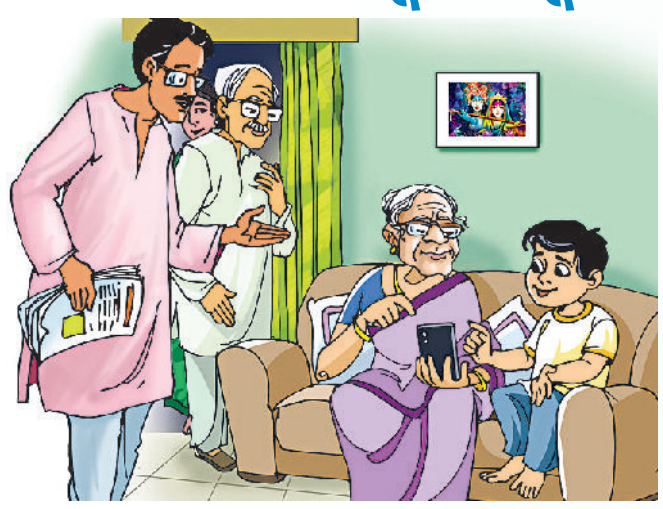

आज फिर लॉन की चारदिवारी पर लगे फूल कोई तोड़ ले गया। ऐसा रोज का नियम बन गया था। बाहर लगे चांदनी, कनेर, गुड़हल के फूल गायब हो रहे थे। नयन की दादी को पूजा के लिए कुछ फूल चहिए होते हैं। जब नहा-धोकर वह बाहर फूल तोड़ने जातीं तो सारे फूल गायब मिलते, बस उनका मूड खराब हो जाता। कुछ देर तक बड़बड़ातीं।

सुबह के नाश्ते के समय दादी ने सबके सामने फूलों के तोड़े जाने की बात कही। इस समस्या का क्या हल निकाला जाए, इस बारे में दादी ने सभी की राय मांगी।

दादाजी ने कहा, 'अब मैं टहलने नहीं जाऊंगा, बाहर ही कुर्सी डालकर बैठ जाऊंगा। फूलों की पहरेदारी करूंगा।'

पापा ने कहा, 'इतनी-सी बात के लिए हम इतने परेशान क्यों हों? माली से कह देंगे, वह रोज फूल की डलिया दे जाएगा।' किचेन से नयन की मम्मी ने भी पापा की बात से सहमति जताई, 'हां, यह ठीक रहेगा। मुझे तो सुबह से चाय, नाश्ते, टिफिन बनाने से ही फुरसत नहीं मिलती है। मैं फूलों की रखवाली कैसे करूंगी?'

नयन सबकी बातें बड़े ध्यान से सुन रहा था। उसके दिमाग में एक आइडिया कौंधा, बोला 'आज स्कूल से वापस आकर मैं कुछ तरकीब लगाऊंगा।' पास बैठी शिखा दीदी नयन को चिढ़ाते हुए बोली, 'तुम तो एक नंबर के आलसी हो। तुम क्या करोगे?'

'आलसी लोगों ने बड़े-बड़े कारनामे किए हैं। देखना, मैं क्या करता हूं।' नयन हंसते हुए बोला।

स्कूल से वापस आने के बाद नयन ने पापा के पुराने मोबाइल को ढूंढ़ा, जिसकी बैटरी खराब हो गई थी। इस कारण पापा अब उसे यूज नहीं करते थे। नयन ने उसे चार्ज करने के लिए लगाया, थोड़ी देर में वह चार्ज हो गया। अभी वह उसके फीचर देख ही रहा था कि फिर बैटरी कम हो गई। इसका मतलब इसे लगातार चार्जिंग पर लगा कर काम में लाया जा सकता है। मोबाइल की इंटरनल मेमोरी चौसठ जी.बी. थी। इसका मतलब है कि इसमें कई घंटे की वीडियो रिकॉर्डिंग की जा सकती है। उसने मन ही मन अनुमान लगाया।

अब सवाल यह था कि इसे किस तरह और कहां लगाया जाए, जिससे किसी को पता न चले कि उस पर नजर रखी जा रही है। नयन ने घर की चारदिवारी से लेकर गेट तक का अच्छी तरह निरीक्षण किया। गेट के ऊपर बल्ब लगाने का स्थान था, जिसके ऊपर जालीदार आवरण था। उसने आवरण को सावधानी से हटाया, बल्ब के होल्डर में तार कनेक्ट करके एक सॉकेट लगाया, अब इसमें चार्जर को लगाया जा सकता था। चार्जर लगा कर मोबाइल को जालीदार आवरण में इस प्रकार लगाया कि उसका कैमरा बाहर की तरफ रहे।

थोड़ी देर वीडियो रिकॉर्डिंग करके देखी, अब चारदिवारी पर लगे सारे फूलों को छूकर देखा, वीडियो रिकार्डिंग में वह साफ नजर आ रहा था। फिर यह काम बंद कर के उसने अपना होमवर्क किया और खेलने चला गया।

नयन ने रात में सोने से पहले सुबह 4 बजे का अलार्म लगा दिया। सुबह उठ कर उसने मोबाइल की रिकॉर्डिंग शुरू कर दी और वापस जाकर सो गया।

सुबह फिर दादी स्नान करने के बाद पूजा के लिए फूल तोड़ने गईं तो फूल गायब थे। आज रविवार का दिन था, इसलिए नयन आराम से सोकर उठा था। उसने दादी से कहा, 'दादी, आप थोड़ी देर रुकिए, मैं अभी आपके फूलों को तोड़ने वाले को आपके सामने लाता हूं।' नयन ने मोबाइल को सावधानी पूर्वक गेट के ऊपर से निकाला और रिकॉर्डिंग देखनी शुरू की।

सुबह के पांच बजे फूलों के पास डलिया लिए कोई फूल तोड़ते हुए दिखा, 'अरे! यह तो अपनी पड़ोस वाली दादी हैं, जो आराम से सारे फूल तोड़कर चली जा रही हैं।' नयन ने दादी को वह वीडियो क्लिप दिखाई तो दादी ने हंसते हुए कहा, 'जा अब तू ही पड़ोस में जा कर शर्मा दादी के पैर छू कर थोड़े फूल मांग ला और कह देना, दादी ने कहा है कि हर रोज कुछ फूल मेरे लिए भी तोड़ कर रख लिया करें।' दादी ने नयन की होशियारी के बारे में घर में सभी को बताया। नयन की सूझ-बूझ पर सभी ने उसकी पीठ थपथपाई। *

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

शिक्षा का महत्व बताती कहानी

बच्चो, ढेर सारे चित्रों से सजी लंबी कहानी वाली किताब है-रेवा। इसमें एक लड़की रेवा और उसके दोस्त पलाश की कहानी है। दोनों बातूनी बच्चे आपस में ढेरों बातें करते हैं और एक-दूसरे से सवाल भी। लेकिन बहुतेरी बातों के जवाब सिर्फ पलाश के पास रहते हैं। इसका रहस्य है, उसके चाचा जी, जो खूब किताबें पढ़ते हैं और अकसर पलाश को उनके बारे में बताते हैं। रेवा के पास ऐसी कोई सुविधा नहीं है। उसके घर में पैसों की तंगी भी है। तभी अचानक मकान का किराया न दे पाने के कारण रेवा के परिवार को अपना घर छोड़ना पड़ता है। नई स्थिति से रेवा उलझन में पड़ जाती है। उसकी पढ़ाई छूट जाती है और उसे मजदूरी करनी पड़ती है। वह अब शर्म से पलाश से भी मिलने से बचती है। लेकिन एक दिन पलाश घासमंडी में घास का गट्ठर लिए हुए रेवा को देख लेता है। तब अपनी इस स्थिति के पीछे की वजह के बारे में रेवा उसे जो कुछ बातें बताती है, उनके बारे में जानकर पलाश सन्न रह जाता है। ये सब बातें क्या हैं? इनके बारे में जानने के लिए तुमको यह किताब पढ़नी होगी। इस किताब को पढ़कर तुम यह भी जान सकोगे कि पढ़ना-लिखना कैसे हमारे ज्ञान के दरवाजे खोलता है, जबकि गरीबी कैसे बहुत से रास्ते बंद कर देती है। *

किताब-रेवा, **लेखक**-प्रभात, **चित्र**-प्रियंकर गुप्ता, **मूल्य**-75 रुपए, **प्रकाशक**-एकलव्य फाउंडेशन, भोपाल

जीके क्विज-163

1. स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में भारत का सबसे स्वच्छ शहर किसे चुना गया?
2. हरियाणा के नए राज्यपाल कौन बने हैं?
3. हाल ही में टेनिस का विंबलडन पुरुष एकल खिताब किस खिलाड़ी ने जीता?
4. यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री का नाम क्या है?
5. सबसे पुराना वेद कौन-सा है?
6. भारत में दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान कौन-सा है?
7. किस मुगल शासक ने दिल्ली में लालकिला का निर्माण करवाया था?
8. हाल में किस फाइटर जेट को भारतीय वायु सेना से रिटायर करने का निर्णय लिया गया?
9. जबलपुर शहर किस नदी के किनारे बसा है?
10. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की राजधानी कहां है?

बच्चो, जीके क्विज-163 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-162 का उत्तर : 1.राकेश शर्मा, 2.अमेरिका, हंगरी और पोलैंड, 3.खान अब्दुल गफ्फार खान, 4.महात्मा गांधी, 5.चमगादड़, 6.रीता फारिया, 7.टेनिस, 8.हाइड्रोक्लोरिक एसिड, 9.बोधगया, 10.हरियाणा एवं पंजाब

जीके क्विज-162 का सही उत्तर देने वाले : स्वप्निल-जांजगीर, सौरभ-बिलासपुर, ताशु-ईमेल से, कबीर-हिसार, प्रतीक-बलौदा बाजार, दिव्या-रोहतक, साकेत-महासमुंद, कमल-महेंद्रगढ़, अंकित-दुर्ग, हर्षित-बेमेतरा

रंग भरो 181

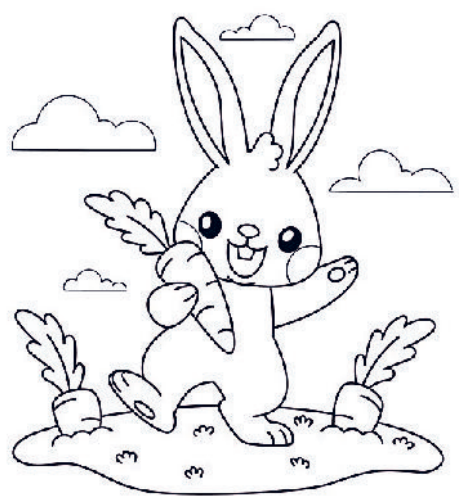

बच्चो, यहां दिए गए चित्र में एक खरगोश खेत से गाजर उखाड़ कर ले जा रहा है। तुम इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

रंग भरो-180

रंग भरो-180 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

डिंपल, दुर्ग

मन्वय, रायगढ़

रितिका, बिलासपुर

वेदिका, बालोद

तेजस, रायपुर

अनन्या, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

निष्ठा-कबीरधाम, अंकित-धमतरी, प्रियंका-रायपुर, लोकेश-जबलपुर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, दीपू-करनाल, विकास-बिलासपुर, रोशनी-कोरबा, दीपक-बालोद

खबर संक्षेप

बेरी। समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनते हुएए एसडीएम रेणुका नांदल। फोटो :हरिभूमि

एसडीएम ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

बेरी। वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम रेणुका नांदल ने नागरिकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। शिविर में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक कल्याण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। वहीं प्रमुख तौर से प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, जमीन का पंजीकरण, समाज कल्याण पेंशन, राशन कार्ड आदि शिकायतें शामिल रही। एसडीएम ने कहा कि जन समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कई दिनों बाद दिन भर निकली तेज धूप ने भी लोगों को खूब परेशान किया

बारिश से सड़कें जलमग्न, दिनभर लोगों को करना पड़ा परेशानियों का सामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर के एमरजेंसी वाले रास्ते पर भरा बरसाती पानी,शहर के महाराजा अग्रसेन चौक के सामने हुआ जलभराव। फोटो :हरिभूमि

बुधवार की रात आई तेज बरसात के बाद शहर के अधिकांश क्षेत्रों में जल भराव की स्थित उत्पन्न हो गई। बरसात बंद होने के कई घंटों बाद भी कई स्थानों से बरसाती पानी नहीं निकल पाया। ऐसे में पुराना बस स्टैंड परिसर व उसके पीछे वाले रोड, नागरिक अस्पताल परिसर के एमरजेंसी वाले रास्ते, अंबेडकर चौक से बाजार की ओर जाने वाले रास्ते व पुराना तलाव रोड पर जलभराव की स्थिति रही। वीरवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सयिस तथा न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सयिस दर्ज किया गया। विभागीय आंकड़ों के अनुसार झज्जर में 18 एमएम, बादली में 45 एमएम, बेरी में 39 तथा मातनहेल क्षेत्र में 5 एमएम बरसात दर्ज की गई। विशेषज्ञों द्वारा आगामी दिनों में भी तेज आंधी के साथ बरसात होने का अनुमान लगाया जा रहा है। उधर, नागरिक अस्पताल परिसर के एमरजेंसी गेट की ओर जाने वाले रास्ते पर जल भराव के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अस्पताल में आने वाले बीमारों व उनके तीमारदारों को लंबा रास्ता तय करके अस्पताल के दूसरे गेट से होते हुए एमरजेंसी पहुंचना पड़ा। वहीं कई दिनों बाद दिन भर निकली तेज धूप ने भी लोगों को खूब परेशान किया।

स्कूल नंबर एक के बरामदे में भरा पानी

बुधवार की रात हुई तेज बरसात के चलते शहर के स्कूल नंबर एक में भी जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। स्कूल मुखिया विजय कुमारी ने बताया कि बरसात के कारण स्कूल के बरामदे में जल भराव हो गया। अन्य दो कमरों का लेवल ऊंचा है जिनमें व्यवस्था सही है। ऐसे में उनके द्वारा आंगनवाड़ी की तरफ बने दो कमरों में कक्षाएं लगाई गई। उन्होंने बताया कि उनके स्कूल के भवन को पहले ही कंडम घोषित किया जा चुका है। वे स्कूल को स्थानांतरित किए जाने के संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी से भी मिल चुकी हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि शीघ्र ही स्कूल को दूसरे स्कूल में शिफ्ट कर दिया जाएगा।

न्यूज डायरी

ऑपरेशन कंट्रोल के अंतर्गत केवल बीएएमएस चिकित्सकों को निशाना बनाना निंदनीय : डा. नरेश

झज्जर। प्रदेश में बिगड़ते लिंगानुपात और भ्रूण हत्या को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कंट्रोल के अंतर्गत प्रदेश भर में केवल बीएएमएस चिकित्सकों के क्लीनिकों व स्वास्थ्य केंद्रों, दुकानों पर रेड की जा रही है। जिस कारण बीएएमएस चिकित्सकों में रोष है। यह बात नीमा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता व वरिष्ठ उपप्रधान डॉक्टर नरेश दलाल ने कही। उन्होंने कहा कि सरकार या विभाग की ऐसी कार्रवाई सभी वर्गों के चिकित्सकों पर समान रूप से होनी चाहिए लेकिन इसमें केवल बीएएमएस डॉक्टरों को निशाने पर लिया जा रहा है। बीएएमएस चिकित्सों के संगठनों एनआईएमए और आईएमए आयुष ने इसे आपत्तिजनक व निंदनीय बताया। इसके खिलाफ जहां मुख्यमंत्री व डीसी को ज्ञापन दिया जाएगा वहीं स्थानीय विधायक व सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को भी अवगत कराया जाएगा।

डॉ नरेश दलाल

डाबोदा खुर्द व सराय गांव में हुए भंडारे

बहादुरगढ़। भंडारे में ग्रामीणों के साथ प्रसाद ग्रहण करते विधायक राजेश जून।

बहादुरगढ़। वीरवार को गांव डाबोदा खुर्द गांव स्थित दादा भाडला धर्मशाला एवं शिव मंदिर सेवा समिति द्वारा भंडारा के आयोजन किया गया। गांव सराय औरंगाबाद के श्री शिव मंदिर में भी भंडारा आयोजित किया गया। विधायक राजेश जून ने भी दोनों भंडारों में शिरकत करते प्रसाद ग्रहण किया। अपनी तरफ से आयोजकों को नकद सहयोग भी दिया।

सैनिक नगर मंदिर में हुआ यज्ञ व भंडारा

बहादुरगढ़। हवन में आहुति डालती डॉ. नीना और सतपाल राठी। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। सैनिक नगर स्थित नहर वाले मंदिर परिसर में सावन अमावस्या के पावन पर्व पर छठा विशाल भंडारा व यज्ञ हुआ। इसमें मुख्यातिथि के तौर पर पार्षद एडवोकेट डा. नीना सतपाल राठी ने शिरकत की। यज्ञ को पंडित गिरीश चौबे ने विधि-विधान से संपन्न कराया। डा. नीना सतपाल राठी ने सुरेंद्र खट्टर समेत अन्य वार्डवासियों के साथ मिलकर हवन में आहुति डाली। सभी के स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन की कामना की। इस मौके पर उन्होंने मंदिर परिसर में पौधे भी रोपित किए।

वाल्मीकि चौक पर राहगीरों में बांटा सब्जी-पूरी का प्रसाद

झज्जर। अमावस्या सेवा समिति द्वारा वीरवार को हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य में छारा चुंगी स्थित महर्षि वाल्मीकि चौक राहगीरों में सब्जी-पूरी का प्रसाद वितरित किया गया। समिति सदस्य रमेश गुर्जर ने बताया कि सीताराम गेट के व्यापारियों ने आपसी सहयोग इस मुहिम को शुरू किया है। वे हर अमावस्या पर जरूरतमंद लोगों के लिए भंडारा करते हैं। उन्होंने बताया कि हिंदू धर्म में अमावस्या का विशेष महत्व है। अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित मानी जाती है। इस तिथि पर दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। जरूरतमंद लोगों की मदद करने से पितृ प्रसन्न होते है। उन्होंने बताया कि अमावस्या सेवा समिति के सदस्यों द्वारा कांवड़ सेवा शिविर में भी सात दिन तक निष्काम सेवा की है। इस मौके पर सोनू सैनी, कृष्ण यादव, चंद्रभान, जयभगवान बिड़लान सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बरसात में लैप्टोस्पाइरोसिस का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

आमतौर पर बरसात के दौरान मच्छरजनित रोगों व पेट की बीमारियों की चर्चा होती है। लेकिन इससे अलग एक बीमारी लैप्टोस्पाइरोसिस है। इसके कीटाणु जानवरों के मल-मूत्र के जरिए पानी व मिट्टी को दूषित करते हैं और फिर विभिन्न माध्यमों से मनुष्य को संक्रमित करते हैं।चिकित्सकों के अनुसार बरसात में इस बीमारी का खतरा रहता है। इसकी वजह लैप्टोस्पाइरस नामक कीटाणु हैं। यह कीटाणु बीमार जानवर के मल-मूत्र के जरिए मिट्टी व पानी को संक्रमित करते हैं। फिर भोजन-पानी के साथ-साथ कटी त्वचा, आंख, नाक इत्यादि के रास्ते मनुष्य को प्रभावित करते हैं। कई बार बीमारी जानवरों के सीधे संपर्क से भी फैलती है। ऐसे में पशु पालकों, जानवरों के बीच अधिक समय बिताने वालों, खेतों में कार्य करने

■ जानवरों के मल-मूत्र के जरिए बीमारी के कीटाणु पानी व मिट्टी के माध्यम से करते हैं संक्रमित

वालों, नंगे पैर चलने वाले लोगों सफाई कर्मचारी तथा घर के बाहर गंदे पानी व मिट्टी के संपर्क में आने वालों, तैराकों इत्यादि को अधिक खतरा होता है। डीडीके हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सुखपाल धारीवाल संक्रमित व्यक्ति में इसके लक्षण दो से 25 दिनों में दिखाई देते हैं। शुरुआती लक्षणों में मांसपेशियों में, आंखों में दर्द, लाली व पानी आना, ठंड देकर बुखार इत्यादि शामिल हैं। गंभीर होने पर बुखार के साथ गर्दन में कड़ापन, पेट दर्द के साथ ही दिमाग, लिवर, गुर्दे सहित दूसरे महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है। लैप्टोस्पाइरोसिस के बचाव के लिए भोजन व पानी में साफ-सफाई का ख्याल रखना चाहिए। दूषित मिट्टी व पानी से संपर्क में आने से बचना चाहिए।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरूक

झज्जर। ब्रेकथ्रू संस्था द्वारा वीरवार को क्षेत्र के गांव भटेड़ा व तलाव में सपनों की राह कार्यक्रम के अंतर्गत किशोर-किशोरी मेले का आयोजन किया गया। ब्रेकथ्रू संस्था से पूनम, ममता मीणा और अनुराधा शामिल रहे। संस्था सदस्य ममता मीणा ने बताया कि उनके द्वारा कई साल से तारों की टोली प्रोग्राम चलाया जा रहा है, जिसमें वे किशोर-किशोरियों के अधिकारों और सपनों के बारे में बात करते हैं। इसी के चलते कार्यक्रम में नाटक के माध्यम से दिखाया कि किशोर-किशोरी अपने परिवार में कैसे बात करें और अपने सपनों के बारे में उन्हें किस प्रकार अवगत कराएं। उन्होंने बताया कि समाज में बदलाव के लिए पिछले कई वर्षों से प्रदेश में कार्यक्रमों का आयोजन कर उनकी संस्था किशोर-किशोरियों को जागरुक कर चुकी है। कार्यक्रम में लड़का और लड़की के बीच भेदभाव और घरेलू हिंसा के प्रति भी लोगों को जागरुक किया जाता है।

झज्जर। कार्यक्रम के अंतर्गत उपस्थित ग्रामीण एवं संस्था सदस्य। फोटो :हरिभूमि

विभिन्न बीमारियों की रोकथाम के लिए विद्यार्थियों को लगाए टीके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में विद्यार्थियों का डीपीटी बूस्टर एवं टीडी वैक्सीनेशन किया गया। इस टीकाकरण कार्यक्रम में एएनएम सुरेश एवं आशा वर्कर सुदेश ने सेवाएं दीं। टीकाकरण प्रक्रिया पूरी तरह से सुरक्षित, अनुशासित और चिकित्सा मानकों के अनुसार संपन्न हुई। प्राचार्य विनोद कुमार ने बताया कि विद्यालय में होने वाले इस स्वास्थ्य कार्यक्रम को लेकर अभिभावकों को पहले ही सूचना प्रदान कर दी गई थी। छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी के आधार पर ही टीकाकरण किया गया। इस मौके पर उप-प्राचार्या संगीता जून ने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने पर स्कूल स्टॉफ सदस्यों व चिकित्सकीय टीम का आभार जताया।

टीकाकरण कार्यक्रम में टीका लगवाते हुए विद्यार्थी

विद्यार्थियों को किया नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक

झज्जर। विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए इंस्पेक्टर सतीश कुमार। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। जिला पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा विशेष अभियान के तहत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव, यातायात नियमों की पालना व साइबर क्राइम के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में वीरवार को इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि नशा हमें शारीरिक और मानसिक तौर पर तो काफी नुकसान पहुंचता ही है। हमारे आने वाले भविष्य को भी अंधकार में बना देता है, इसलिए हमें पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने यातायात के नियमों के बारे में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी और बताया कि यातायात के नियमों की पूर्ण जानकारी के बिना कभी भी वाहन न चलाएं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे अगर वाहन चलाते हुए मिलते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

कानूनी सहायता शिविर लगाकर आमजन को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ शिविरों का उद्देश्य आमजन, विशेषकर वंचित वर्गों को उनके विधिक अधिकारों एवं न्याय प्रणाली की जानकारी देना रहा

झज्जर। शिविर कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यातिथि एवं शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

संस्कारम विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत कलानौर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं एचकेसीएल केंद्र में निःशुल्क कानूनी सहायता शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों का उद्देश्य आमजन, विशेषकर वंचित वर्गों को उनके विधिक अधिकारों एवं न्याय प्रणाली की जानकारी देना रहा। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ महिपाल ने कहा कि हमारा उद्देश्य समाज के उन वर्गों तक न्याय पहुंचाना है जो संसाधनों के अभाव में कानूनी सहायता नहीं प्राप्त कर पाते। राजकीय आईटीआई कलानौर में आयोजित शिविर में संस्था के प्राचार्य सुशील कुमार ने सक्रिय सहभागिता निभाई, एचकेसीएल केंद्र के प्रबंध निदेशक कमलजीत सिंह तथा फैकल्टी सदस्य पिंकी, तमन्ना एवं नीरज ने सेवाएं दीं। संस्कारम विश्वविद्यालय की ओर से विधिक संकाय के सह-प्राध्यापक डॉ संदीप, डॉ दुष्यंत हुड्डा एवं डॉ अवनिका शर्मा ने आमजन कोअधिकारों, विधिक सहायता के उपलब्ध साधनों तथा न्याय की प्रक्रिया से अवगत कराया।

बहादुरगढ़। स्व. मनोज कुमार को याद करते स्थानीय कवि-कलाकार।

समर्थकों ने किया भारत कुमार को याद

बहादुरगढ़। भारत कुमार के नाम से विख्यात दिवंगत अभिनेता व निर्माता-निर्देशक मनोज कुमार की 88वीं जयंती पर स्थानीय कवियों-कलाकारों ने उन्हें याद किया। साथ ही मोदी सरकार से उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न दिए जाने की मांग की। वीर मूवीज के संस्थापक विरेंद्र कौशिक के सानिध्य में हुए इस स्मृति शेष कार्यक्रम में हरियाणवी लोक कवि जगबीर कौशिक, बांसुरी वादक उमेश राय, योग प्रशिक्षक गुरमीत सिंह, रंगकर्मी राकेश वत्स व संगीतकार सुरेंद्र पंकज ने मनोज कुमार को भारतीय संस्कृति का अग्रदूत बताते हुए उनकी फिल्मों को देश की अतुल्य उपलब्धि बताया। कवि कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने दिवंगत अभिनेता से जुड़े अनेक संस्मरण सुनाए। विरेंद्र कौशिक ने भी उनसे हुई भेंट को जीवन के अविस्मरणीय क्षण बताया।

प्राचार्या निधि कादियान ने तीज पर्व के बारे विस्तार से जानकारी दी

हरियाली तीज पर्व के उपलक्ष्य में रचाई मेहंदी

- कार्यक्रम में शिक्षिकाएं हरियाणवीं वेशभूषा में शामिल हुई
- छात्राओं ने अपनी अध्यापिकाओं के हाथों पर आकर्षक मेहंदी रचाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में वीरवार को हरियाली तीज का पावन पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रातःकालीन सभा में स्कूल प्राचार्या निधि कादियान ने तीज पर्व बारे विस्तार से जानकारी दी। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया व स्कूल मैनेजर केएम डागर ने शैक्षणिक वर्ग के साथ मिलकर हरियाली तीज पर झूला झूलते हुए त्यौहार की सार्थकता सिद्ध की। विद्यालय की छात्राओं ने अपनी अध्यापिकाओं के हाथों पर आकर्षक मेहंदी रचाई। कार्यक्रम में कुछ शिक्षिकाएं हरियाणवीं वेशभूषा में भी शामिल हुई। इस मौके पर रविंद्र लोहचब, जितेंद्र, रितिका, पिंकी, पुष्पा अहलावत, सपना अहलावत व मुकेश सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल की शिक्षिकाएं।

आशा वर्कर्स ने तैयार की रेवाड़ी में होने वाले प्रदर्शन की रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। मीटिंग में उपस्थित आशा वर्कर्स यूनियन सदस्य। फोटो :हरिभूमि

वीरवार को सीआईटीयू कार्यालय में आशा वर्कर्स यूनियन की जरनल बॉडी द्वारा मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता जिला प्रधान किरण ने की जबकि संचालन प्रवेश मातनहेल द्वारा किया गया। मीटिंग में वर्ष 2023 व 2024 का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। आगामी 4 अगस्त को रेवाड़ी में स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के निवास स्थान पर होने वाले विरोध प्रदर्शन की रूपरेखा भी तैयार की गई। आशा वर्कर यूनियन की राज्य प्रधान सुनीता ने बताया कि लंबे समय से आशा वर्कर्स अपनी मांगों के प्रति सरकार को अवगत कराती आ रहीं हैं लेकिन कोई समाधान नहीं हो पाया। दो बार विभाग द्वारा फाइल बना कर मुख्यमंत्री के पास भेजी गई लेकिन उन्हें कटा हुआ मानदेय नहीं मिल पाया। आशा वर्कर्स का कहना है कि उनके ऊपर ऑनलाइन का बहुत अधिक दबाव है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह आशा वर्कर्स को उचित संसाधन उपलब्ध कराए और उन्हें प्रशिक्षण दिया जाए। अतिरिक्त काम के बदलते उचित मानदेय भी दिया जाना चाहिए। वे स्वास्थ्य मंत्री को अपनी लंबित मांगों से अवगत कराने के संबंध में कई बार टाइम मांग चुकी है लेकिन उन्हें समय नहीं मिल पाया।

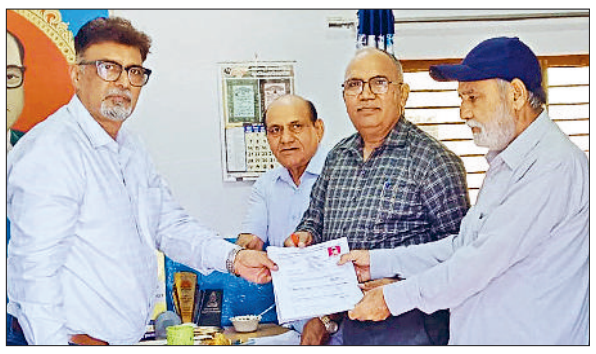

बहादुरगढ़। सभा चुनाव के लिए नामांकन फार्म प्राप्त करते अधिकारी।

सभा चुनाव के लिए आए 59 नामांकन

बहादुरगढ़। अंबेडकर सभा के चुनाव की प्रक्रिया जारी है। कॉलेजियम चुनाव के लिए 59 नामांकन पत्र प्राप्त हो चुके हैं। जिला फर्म एंड सोसायटी रजिस्ट्रार झज्जर की तरफ से सोरन सिंह सहरावत को अंबेडकर सभा का प्रशासक नियुक्त किया गया था। उन्होंने बताया कि अंबेडकर सभा के कॉलेजियम इलेक्शन के लिए एक पक्ष की तरफ से 55 नामांकन फॉर्म प्राप्त हुए हैं। जबकि दूसरे पक्ष की तरफ से सिर्फ 4 नामांकन फॉर्म प्राप्त हुए हैं। उनके अनुसार सभी नामांकन फार्म सही पाए गए हैं। सभा का चुनाव रविवार 10 अगस्त को होना है।

बहादुरगढ़। विक्ट्री साइन बनाकर खुशी जताते खिलाड़ी और प्रधानाचार्या डॉ. पूनम चौधरी। फोटो : हरिभूमि

पहले नंबर पर रही बाल विकास की टीम

बहादुरगढ़। बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने फ्रेंडली वॉलीबॉल प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। प्रधानाचार्या डॉ पूनम चौधरी ने बताया कि डीपीएस बहादुरगढ़ में हुई फ्रेंडली वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 5 स्कूलों की टीम ने हिस्सा लिया था। बाल विकास स्कूल की टीम में शामिल अरुण छिल्लर, हार्दिक अहलावत, यशवंत, कृष, कुणाल, युवराज, हर्ष, परमजीत, अतुलराज, मन्नू ने बेहतरीन खेल के बूते प्रतियोगिता में पहला स्थान पाया। स्कूल निदेशक रामनिवास छिल्लर, एडवोकेट प्रवीण छिल्लर, डॉ सीमा छिल्लर व प्रधानाचार्या डॉ पूनम चौधरी ने स्कूल की विजेता टीम के खिलाड़ियों व कोच सुरेन कुमार को बधाई दी।

वार्ड नंबर-31 की गलियों में भरा सीवर का पानी

बहादुरगढ़। शहर के वार्ड नंबर-31 में सीवरेज समस्या बेहद बढ़ चुकी है। दुर्गा कालोनी, छिकारा कालोनी और अशोक नगर में सीवर ठप हैं। गंदा पानी गलियों में भरने के कारण स्थानीय निवासी बीमार हो रहे हैं। लेकिन शासन-प्रशासन बेपरवाह बना हुआ है। ठप हो चुकी सीवर व्यवस्था को लेकर कई बार शिकायत कर चुके लोगों को राहत नहीं मिल रही। वार्ड पार्षद सरिता ने बताया कि कई बार चेयरपर्सन और अधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं। युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सिकंदर ने बताया कि अधिकारी केवल सफाई का आश्वासन देते हैं। वार्ड में सीवरेज और सफाई व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। जल्द समाधान नहीं हुआ तो वार्ड नंबर-31 के निवासी धरना देकर विरोध दर्ज करवाएंगे। स्थानीय निवासी सरिता, मंजू, अनिता, माही, सुनीता हुड्डा, आरती, बबीता, सुदेश, मीना, अंकुर, आकाश व साहिल आदि ने सफाई सुनिश्चित करवाने की मांग की।

दुकानदारों का कहना है बढ़िया रहा सीजन

तीज पर्व को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक घेवर, पेठे की मिठाई की बिक्री जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

हरियाली तीज पर्व में केवल तीन दिन शेष है। ऐसे में तीज पर्व को लेकर बाजार के मिष्ठान भंडारों पर घेवर, मट्ठी व बताशों की बिक्री जोरों पर है। ग्राहकों द्वारा घेवर, मट्ठी, बताशे, पेठे की मिठाई, जलेबी आदि की जमकर खरीददारी की गई। दुकानदारों का कहना है कि बीते रविवार से अब तक की बिक्री लगातार जोरों पर चल रही है। अंबेडकर चौक स्थित जग्गी स्वीट्स के संचालक बिंदर सैनी ने बताया कि पिछले वर्ष के मुकाबले अबकी बार त्यौहार बढ़िया निकल रहा है। सुंदर मिष्ठान भंडार के संचालक पवन ने बताया कि अबकी बार उनके यहां बनाया गया देशी घी से निर्मित केसर घेवर लोगों की पहली पसंद बना है। घेवर बनाने में जुटे करीगर धर्मवीर ने बताया कि वे चालीस से अधिक वर्षों से यह कार्य कर रहे हैं। जलेबी बनाने के कारीगर विजय ने बताया कि उनके यहां आने वाले अधिकांश ग्राहकों द्वारा हरियाली तीज की खरीददारी में बताशे, मट्ठी व घेवर के साथ-साथ जलेबी भी खरीदी जा रही है। इसी प्रकार सुंदर मिष्ठान भंडार के संचालक विक्की व दुलीचंद हलवाई मिष्ठान भंडार संचालक जितेंद्र सैनी के अनुसार भी अबकी बार सीजन बढ़िया निकला है। बता दें कि आजकल बाजार में सिंपल घेवर 220 रुपये प्रति किलोग्राम, दूध से निर्मित घेवर 320 से 400 रुपये तक, खोया रबड़ी वाला घेवर 440 से 500 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से मिल रहा है। इसके अलावा केसर निर्मित स्पेशल घेवर 700 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध है।

झज्जर। मिष्ठान भंडार पर तीज पर्व की खरीददारी करती महिलाएं व दुकान पर रखी मट्ठी, बताशे व घेवर। फोटो : हरिभूमि

महिलाओं के पसंदीदा पर्व है हरियाली तीज

सावन माह की शुक्ल पक्ष की तृतीय तिथि को मनाया जाने वाला हरियाली तीज महिलाओं के पंसदीदा पर्व में शामिल है। इस दिन सुहागिनें व्रत रखकर अपने परिवार में सुख-समृद्धि की कामना करती हैं तथा भगवान शिव से अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। तीज के दिन घरों में स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाए जाते हैं। तीज से पहले मायके पक्ष के लोगों द्वारा अपनी बेटी या बहन के घर तीज की कोथली ले जाने की परंपरा है। पहले परिजनों द्वारा कोथली को घर पर तैयार किया जाता था। जिसमें गुलगुले, सुहाली, मालपुए आदि तैयार किए जाते थे। मायका पक्ष के लोगों द्वारा लाई गई यह कोथली ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा अपने परिवार के सदस्यों में बांटे जाने की परंपरा है। अब सुहाली व गुलगुलों का क्रेज कम हो रहा है। बदलते परिवेश के साथ गुलगुलों व सुहालियों की जगह बताशे व मट्ठियों ने ले ली है। अब लोग बाजार में तैयार मट्ठी, बताशों व घेवर को कोथली के तौर पर लेकर जाते हैं।

बहादुरगढ़। इंस्पेक्टर सतीश कुमार को पौधा भेंट करते विद्यार्थी।

डीपीएस में जागरूकता सत्र का आयोजन

बहादुरगढ़। दिल्ली पब्लिक स्कूल में ट्रैफिक नियमों व नशा मुक्ति पर विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इसमें इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों एवं नशा मुक्ति के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी। स्कूल प्रशासन ने उनके प्रयास की सराहना की। प्रधानाचार्य नीरजा ने कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होते हैं। इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने बच्चों को बताया कि सड़क पर चलने के नियमों का पालन करना हमारी सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने हेलमेट पहनने, जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करने, सीट बेल्ट लगाने जैसे नियमों की उपयोगिता को सरल भाषा में समझाया। इसके साथ ही उन्होंने नशा मुक्त समाज की आवश्यकता पर बल दिया। छात्रों को बताया कि नशा केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करता है। उन्होंने छात्रों से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संदेश के तहत इंस्पेक्टर सतीश कुमार को स्कूल की ओर से पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

बहादुरगढ़। वेस्ट जुआं ड्रेन पर विशेष सफाई अभियान का जायजा लेती सरोज राठी।

चेयरपर्सन ने सफाई का लिया जायजा

बहादुरगढ़। नगर परिषद द्वारा वेस्ट जुआं ड्रेन पर वीरवार को विशेष सफाई अभियान चलाया गया। चेयरपर्सन सरोज राठी ने मौके पर जाकर विशेष सफाई अभियान का जायजा लिया। उनके अनुसार रोजाना विभिन्न क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। ताकि शहर में बेहतर सफाई व्यवस्था बनी रहे। इस अवसर पर सफाई निरीक्षक सुनील हुड्डा, पार्षद राजबाला व पंकज दहिया आदि मौजूद रहे।

आईटीआई में एडमिशन का रिवाइज शेड्यूल जारी

बहादुरगढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बहादुरगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए दाखिले 3 जुलाई से शुरू हो चुके हैं। अभी तक दाखिले के दो चरण पूरे हो चुके हैं और तीसरे चरण के दाखिले चल रहे हैं। अब अगले चरण के लिए रिवाइज शेड्यूल जारी किया गया है।

प्रधानाचार्य गीता आर सिंह ने बताया कि अभी तक 204 छात्रों ने आईटीआई बहादुरगढ़ की विभिन्न ट्रेड्स में दाखिला लिया है। हरियाणा सीईटी परीक्षा को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने तीसरे चरण के दस्तावेज सत्यापन के शेड्यूल में बदलाव किए हैं। सीईटी के कारण 26 और 27 जुलाई को दाखिला प्रक्रिया स्थगित रहेगी। तीसरे चरण के दाखिलों के लिए अब अभ्यर्थी अपने दस्तावेजों का सत्यापन 25 और 28 जुलाई को करवा सकेंगे। सत्यापन के बाद वे दाखिला फीस 25 से 29 जुलाई तक ऑनलाइन जमा करवा सकते हैं। इसके उपरांत रिक्त सीटों का विवरण विभाग द्वारा 30 जुलाई को वेबसाइट पर जारी होगा। वहां अभ्यर्थी अपने विकल्पों का चुनाव 30 और 31 जुलाई को कर सकेंगे। चौथी मेरिट लिस्ट 4 अगस्त को वेबसाइट पर प्रकाशित होगी। जिसके अनुसार दस्तावेज सत्यापन 4 से 8 अगस्त तक होगा। जबकि दाखिला शुल्क 4 से 9 जुलाई तक जमा होगा।

SHRI BALAJI INSTITUTE OF PARA MEDICAL SCIENCE
सभी सरकारी सेवा में मान्य
- आंगनबाड़ी सुपरवाईजर / सहायक / कार्यकर्ता
- PHYSICIAN ASSISTANT
- MULTI PURPOSE HEALTH WORKER
- HEALTH SANITARY INSPECTOR
- AYURVEDIC PHARMACY (DAP)
- DENTAL HYGIENIST / MACHENIC
- C.M.S. & ED / F IRST AID
- MEDICAL LAB/ X-RAY TECH.
- OPRATION THEATORE TECH.
- OPTHALMIC ASSISTANT (DOA)
- COMMUNITY HEALTH/EMT
- FOOD SAF ETY / VETERNARY INSPECTOR
- PLASTER, DRESSER, NTT, PT, CTT
- BAMS (ALT), BEMS (EH)
Dr. S.K. Saini (Director)
41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे, रोहतक-124001
9254233221

दमा एलर्जी जोड़ों का दर्द
डॉ. रघुबीर सिंह Acu. M.D.
MOB. 8949456862
फोन पर सम्पर्क करने का समयः प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक
शूगर पुराना नजला का इलाज बिना दवा चीनी मशीन द्वारा
विज्ञापन
झज्जर : हर शुक्रवार को मिलें
श्रीकृष्ण भवन धर्मशाला
सब्जी मण्डी के सामने, गुड़गांव रोड़, सिलानी गेट
समय : प्रातः 8:00 से 11 :00 बजे तक
रोहतक: हर शुक्रवार को मिलें
ईवान होटल (कर्ण होटल)
निकट मानसरोवर पार्क लाईन, दिल्ली रोड
समय : दोपहर 1:00 बजे से सायं 4:00 बजे
न्यूरों से संबंधित सभी बीमारियों का एक्यूपंचर द्वारा उपचार
साइटिका सर्वाइकल, फ्रोजन शोल्डर, माइग्रेन, कंधे का दर्द, कमर के हिस्से से पर तक होने वाला दर्द, स्लिप डिस्क, कमर दर्द, हाथों की उंगलियों का कम काम करना, हाथ में लगातार रहने वाला दर्द एवं अन्य लाईलाज न्यूरों की विभिन्न बीमारियों का सफल उपचार।
दमा, एलर्जी, जोड़ों का दर्द, शुगर, नजला का ईलाज एक्यूपेंचर द्वारा किया जाता है।
आज भारत में करोड़ों लोग अस्थमा रोग के शिकार है। अस्थमा का उचित उपचार न करने के कारणप हर वर्ष हजारों लोगों की मृत्यु भी हो जाती है। अस्थमा रोग किसी भी आयु के व्यक्ति को हो सकता है। अस्थता / दमा यह एक एलर्जी रोग है जिसका समय पर उपचार न करने से रोगी व्यक्ति की हालत गंभीर हो सकती है। अस्थमा का रोकथाम करने के लिए रोगी व्यक्ति को दिए, जाने वाले उपचार की जानकारी और महत्व पता होना जरूरी है।
- श्वसनी दमा फेफड़ों की ऐसी समस्या है, जिससे श्वास नली में बाधा आती है।
- अलग अलग बच्चों में अस्थमा के लक्षण अलग होते है और ये लक्षण एक ही बच्चें में बदलते भी रहते है।
- अस्थमा में श्वास नली पूरी तरह बंद हो जाती हैं, जिससे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को आक्सीजन की आपूर्ति बंद हो सकती है।
- अस्थमा सांस संबंधी रोग है जिसमें व्यक्ति को सांस लेने और छोड़ने में परेशानी होती है। दवाओं के जरिये इसे नियंत्रित तो किया जा सकता है लेकिन ठीक नहीं किया जा सकता है। हमारे इलाज से रोगी को पूर्णतः ठीक किया जाता है।
कौन से ऐसे कारण है जिनसे एलर्जी होती है।
एलर्जी हमारे दैनिक जीवन में भ्रमण करते हुए हमारे आसपास के माहौल/वातावरण से कई कारणों से हा सकती है जैसे पेड़, पौधे, धूल, मिट्टी, पालतु जानवर, दवाएं एवं खाने-पीने की वस्तुएं इत्यादि।
1. एक परिवार के विभिन्न सदस्यों, महिला, पुरूष, बच्चे या वृद्ध की विभिन्न वस्तुओं से एलर्जी हो सकते है। 2. कुछ तो फूलों को छूने से एलर्जी हो सकती है। 3. दूध, दही, मांस, मछली का सेवन करने से भी एलर्जी हो सकती है। 4. पॉलीथीन एवं नायलॉन के साथ भी एलर्जी हो सकती है। 5. सौंदर्य प्रसाधनों के प्रयोग से भी एलर्जी हो सकती है।
गठियाः डाक्टर ने बताया कि गठिया शरीर के किसी भी एक जोड़ से दर्द शुरू होता है और धीरे-धीरे शरीर के सभी जोड़ प्रभावित होते हैं। सभी जोड़ों में असहनीय दर्द होता है। गठिया का रोगी सालों इलाज करवा कर भी ठीक नहीं हो पाते और डाक्टर कते हैं कि गठिया में सारी उमर दवा खानी पड़ेगी और दवा खाते रोगी के अंग भी टेढे-मेढे होने लगते हैं, रोगी बिस्तर पर चला जाता है और चलने फिरने से लाचार हो जाता है। डाक्टर कहते है कि एक्यूपेंचर द्वारा गठिया चाहे कितना पुराना भी हो, गठिया रोग जड़ से खत्म हो जाता है।
❖ क्या आपका चलना-फिरना, उठना-बैठना, सीढ़िया चढ़ना-उतरना या आपके घुटनों की ग्रीस खत्म हो गई है?
❖ क्या आपके घुटने टेढ़े-मेढ़े हो गए है?
❖ क्या डॉटरों ने आपको ऑप्रेशन करवाने की सलाह दी है? ऑप्रेशन से पहले एक बार अपने घुटने हमारे अस्पताल में जरूर आकर दिखाए। आपको ऑप्रेशन करवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी बिना ऑप्रेशन आपके घुटने बिल्कुल सीधे और ठीक हो जायेंगे। कुछ ही दिनों में आराम आना शुरू हो जाएगा।
गठिया रोग (पुराने से पुराना)
घुटनों का दर्द
हिप ज्वाईंट पेन
सर्वाइकल स्पॉडिलोसिस
कमर दर्द
शुगर व बी.पी.
कृप्या ध्यानपूर्वक पढ़े
दमा, एलर्जी क्लीनिक के संचालक डॉ. रघुबीर सिंह यादव का कहना कि विशेष मशीनों नजला रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस पद्धति में रोगी को कोई दवाई लेने की जरूरत नहीं होती। डॉ. यादव का कहना है कि इस बीमारी का प्रकोप अब बूढ़े और जवान व्यक्ति के अलावा बच्चों में भी बहुत अधिक हो रहा। रोगी को चाहिए की इलाज में लापरवाही नहीं बरते और अंग्रेजी दवाई से बचना चाहिए क्योंकि अंग्रेजी दवाई आपके शरीर को नुकसान पहुँचती हे। नजला एक विजातीय द्रव्य है। हमारे सिर में एक आलफैक्ट्री वाल्व होती है। जिसमें यह जमा रहता है। इसकी सात वाल्व होती है। इसके लीक होने के कई कारण होते है जैसे सर्द-गर्म का बिगड़ना, कफ की अधिकता, सहवास के बाद हवा लगना आदि। नाक के मस्से बढ़ना, नाक रूकना, छींके आना, एलर्जी इत्यादि पहली तीन वाल्व लीक होने से होता है। इसके बाद वाली चार वाल्व लीक होने से यह विजातीय द्रव्य (नजला) गले में अंदर गिरने लगता है, जिसमें सांस की नली जाम हो जाती है। एलर्जी का कोई भी कारण हो यहां ईलाज लेने से रोगी उम्र भर के लिए ठीक हो जाता है। डॉ. यादव के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में दमा मरीजों की संख्या ज्यादा हो रही है। लगातार धूम्रपान करने एवं वातावरण में व्याप्त धूल के कण हवा के कारण यह बढ़ रही है। अगर इसका सही समय पर ईलाज नहीं किया जाता है तो कैंसर होने का खतरा रहता है। कभी-कभी तो आदमी की मौत भी हो जाती है। आजकल यह एक घातक बीमारी सिद्ध हो रही है। इसलिए सही समय के रहते डॉक्टर के पास जांच करवानी चाहिए। यहां इन बीमारियों का ईलाज चीनी पद्धति से किया जाता है। इसमें शरीर में निश्चित बिन्दू होते है, इन बिन्दुओं पर विशेष मशीनों से ईलाज किया जाता है। इसमें कोई चीरे की जरूरत नहीं पड़ती है। हजारों मरीज हमारे यहां फायदा उठा चुके है और उठा रहे है।
विज्ञापन कभी कभी प्रकाशित होता है। विज्ञापन की कटिंग साथ लाऐं।
आइये जाने क्या है एलर्जी
प्रत्येक मनुष्य भले महिला हो या पुरूष में कुदरत ने बाहरी तत्वों को सहन करने की खास ताकत दी है। फिर भी कई बार ऐसे तत्व जो मनुष्य के शरीर पर दुष्प्रभाव डालने वाले एवं शरीर के भीतर पहुंचने की कोशिश कतेर हैं, तब शरीर के आंतरिक तत्व हलचल में आकर उन उल्टे तत्वों के प्रभाव को शरीर पर पड़ने की कोशिश को रोकते हैं। इस तरह की प्रक्रिया एलर्जी की उत्पत्ति का कारण बनती है।
एलर्जी के लक्षण : ❖ शरीर में खुजली ❖ चमड़ी का लाला होना ❖ लाल दाने होना ❖ शरीर में दाने वाली जगह पर सूजन होना। ❖ एलर्जी होने से 'एग्जिमा' नाम की बीमारी भी हो जाती है, जिससे जोर से खारिश होना या उस जगह पर पानी का रिसाव होने लगता है। ❖ एलर्जी के कारण कुछ लोगों को अस्थमा नाम की बीमारी हो जाती है। इस स्थिति में रोगी को सांस लेने में परेशानी आती है, फेफड़ों में सूजन होना व जलन होना। ❖ छींकों का आना, नाक बंद होना, नाक की हड्डी टेडी होना, जुकाम होना। ❖ गले में तेज जलन एवं दर्द होना ❖ पेट का दर्द होना ❖ चेहरा, होंट, आंखों में सूजन ❖ जी मिचलाना एवं डायरिया ❖ खाने में तकलीफ